2022–23

हिन्दी (101)

सैद्धान्तिक

कक्षा – 11

समय – 3 घंटे **पूर्णांक (56+24)=80**

(क) अपठित बोध (गद्यांश बोध)	08
(ख) रचनात्मक लेखन (कामकाजी हिन्दी और रचनात्मक लेखन)	17
(ग) पाठ्य–पुस्तक : आरोह भाग–1	22
पूरक पुस्तक : वितान भाग–1	09
(घ) संस्कृत पठित बोध	12
(ड.) पाठ्य पुस्तक पर आधारित प्रश्नोत्तर	08
(च) वाक्य रचना/व्याकरण	04

(क)– अपठित बोध : **08 अंक**

1. गद्यांश बोधः (गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघुत्तरात्मक प्रश्न 08

(ख)– रचनात्मक लेखन : (कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन) **17 अंक**

रचनात्मक लेखन पर दो प्रश्न

2. निबंध 08
3. कार्यालयी पत्र 04

निर्धारित पुस्तक 'अभिव्यक्ति और माध्यम' के आधार पर जनसंचार की विधाओं पर दो प्रश्न

4. प्रिंट माध्यम (समाचार और सम्पादकीय)
   - रिपोर्ट/आलेख 05

(ग) – आरोह (काव्य–भाग–16 अंक, गद्य–भाग–10 अंक) **22 अंक**

(काव्य भाग)

5. दो काव्यांशों में से किसी एक पर अर्थग्रहण के तीन प्रश्न (2+2+2) 06
6. एक काव्यांश के सौदर्यबोध पर दो प्रश्न (2+2) 04
7. कविता की विषय वस्तु पर आधारित दो लघुत्तरात्मक प्रश्न (2+2) 04

(गद्य–भाग)

8. दो में से एक गद्यांश पर आधारति अर्थग्रहण सम्बन्धित दो प्रश्न (2+2) 04
9. पाठों की विषय वस्तु पर आधारित चार में से दो बोधात्मक प्रश्न (2+2) 04

वितान भाग : 1 **09 अंक**

10. पाठों की विषय वस्तु पर आधारति पाँच में से तीन लघुत्तरात्मक प्रश्न (3+3+3) 09

खण्ड घ. – संस्कृत पठित बोध **12 अंक**

1. संस्कृत पाठ्यपुस्तक के प्रदत्त गद्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर (2+2+2) 06

पाठ्यपुस्तक के प्रदत्त श्लोक पर आधारित चार लघुत्तरीय प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर (2+2+2) 06

खण्ड ङ .– संस्कृत पाठ्य–पुस्तक पर आधारित प्रश्नोत्तर **08 अंक**

पाठ्यपुस्तकों के पाठों पर आधारति आठ लघुत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के संस्कृत में पूर्ण वाक्यों में उत्तर (2+2+2+2) 08

खण्ड च– संस्कृत वाक्य रचना /व्याकरण **04 अंक**

सुबन्त तिड.न्त अव्यय आदि से सम्बन्धित छः पदों में से दो पदों को लेकर संस्कृत में दो वाक्यों की रचना करना। 2

हल (व्यंजन) सन्धि– स्तोःश्चुनाश्चुः ष्टुनाष्टुः, मोइनुस्वारः 2

आन्तरिक मूल्यांकन पूर्णांक–20

क0स0	मूल्यांकन बिन्दु	अंक
1.	श्रवण कौशल	4
2.	वाचन कौशल	4
3.	परियोजना कार्य	
	क) विषय वस्तु	3
	ख) भाषा एवं प्रस्तुति	2
	ग) शोध एवं मौलिकता	2
4	सतत मूल्यांकन (इकाई परीक्षा)	5
	योग	**20**

निर्धारित पुस्तकें :

1. आरोह भाग – 1
2. वितान भाग – 1
3. अभिव्यक्ति और माध्यम
4. संस्कृत पाठ्य–पुस्तक–प्रबोधिनी भाग – 1

निम्नलिखित पाठों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगाः–

1– आरोह भाग–1
   1) आत्मा का ताप
   2) अप्पू के साथ ढाई साल
   3) त्रिलोचन की कविता

2– वितान भाग–1
   1) लता मंगेशकर

2022–23

हिन्दी (101)

सैद्धान्तिक

कक्षा – 12

समय–3 घंटे **पूर्णांक (56+24)=80**

		अंक
(क)	अपठित बोध (गद्यांश बोध)	10
(ख)	रचनात्मक लेखन एवं जन–संचार माध्यम	18
(ग)	• आरोह भाग–2	21
	• पूरक पुस्तक : वितान भाग–2	07
(घ)	संस्कृत पठित बोध	06
(ड़)	पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नोत्तर	08
(च)	वाक्य रचना	03
(छ)	व्याकरण	03
(ज)	कण्ठस्थ श्लोक लिखकर उसका हिन्दी अनुवाद	04

(क) अपठित बोध :

1. गद्यांश बोध पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघुत्तरात्मक प्रश्न **10** अंक

(ख) रचनात्मक लेखन एवं जन–संचार माध्यमः **18** अंक

2. निबंध 08 अंक

3. जनसंचार की विधाओं पर दो प्रश्न

प्रिंट माध्यम सम्पादकीय
- रिपोर्ट 05 अंक
- आलेख 05 अंक

(ग) आरोह भाग–2 **21 अंक**

4. दो काव्यांशों में से किसी एक पर अर्थग्रहण के तीन प्रश्न (2+2+1) 05
5. एक काव्यांश के सौन्दर्य बोध पर एक प्रश्न (भाव अथवा शिल्प) 02
6. कविता की विषय–वस्तु पर आधारित तीन में से दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (2+2) 04
7. दो में से एक गद्यांश पर आधारित अर्थग्रहण के तीन प्रश्न (2+2+2) 06
8. पाठों की विषय वस्तु पर .आधारित तीन में से दो बोधात्मक प्रश्न (2+2) 04

पूरक पुस्तक : वितान भाग–2 **07 अंक**

9. विचार/संदेश पर आधारित चार में से तीन लघुत्तरात्मक प्रश्न (1+1+1) 03
10. विषय वस्तु पर आधारित दो में से एक निबंधात्मक प्रश्न 04

(घ) संस्कृत पठित बोध **06 अंक**

(I) संस्कृत पाठ्यपुस्तक के प्रदत्त गद्यांश पर आधारित चार लघुत्तरीय प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर (1+1+1) 03

(II) पाठ्यपुस्तक के प्रदत्त श्लोक के आधार पर आधारित चार लघुत्तरीय प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर (1+1+1) 03

(ड़) संस्कृत पाठ्य–पुस्तक पर आधारित प्रश्नोत्तर **08 अंक**

पाठ्य–पुस्तकों के पाठों पर आधारित छः लघुत्तरीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के संस्कृत में पूर्ण वाक्यों में उत्तर (2+2+2+2) 08

(च) संस्कृत वाक्य रचना **03 अंक**

दिये गये सुबन्त, तिडन्त, अव्यय आदि से सम्बन्धित आठ पदों में से तीन पदों को लेकर तीन वाक्यों की रचना करना (1+1+1) 03

(छ) संस्कृत व्याकरण **03 अंक**

समास, कारक, शब्द रूप धातु रूप आदि से सम्बन्धित लघुत्तरीय प्रश्न (1+1+1) 03

विसर्ग सन्धि – विसर्जनीयस्य सः ससजुषोसः अतोरोरप्लुतादप्लुते

(ज) श्लोक **04 अंक**

कोई कण्ठस्थ श्लोक लिखकर उसका हिन्दी अनुवाद करना (2+2) 04

निर्धारित पुस्तकें :

1. आरोह भाग – 2
2. वितान भाग – 2
3. अभिव्यक्ति और माध्यम
4. संस्कृत पाठ्य पुस्तक – प्रबोधिनी भाग – 2

निम्नांकित पाठों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा :–

1– आरोह–2

1. शमशेर बहादुर सिंह – उषा
2. चार्ली चैपलिन यानि हम सब – विष्णु खरे
3. पहलवान की ढोलक – फणीश्वर नाथ रेणु

2– वितान भाग–2

1. डायरी के पन्ने– ऐन फ्रैंक

आन्तरिक मूल्यांकन **पूर्णांक–20**

क्र0स0	मूल्यांकन बिन्दु	अंक
1.	वाचन	4
2.	श्रवण	4
3.	परियोजना कार्य	
	क) विषय वस्तु	3
	ख) भाषा एवं प्रस्तुति	2
	ग)शोध एवं मौलिकता	2
4	सतत मूल्यांकन (इकाई परीक्षा)	5
	योग	**20**

वार्तालाप की दक्षताएँ:

वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा।

श्रवण (सुनना) टिप्पणी का मूल्यांकन :

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद, तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए। परीक्षक/अध्यापक को सुनते–सुनते परीक्षार्थी अलग कागज पर दिये हुए श्रवण–बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे।

वाचन (बोलना) का मूल्यांकन :

1. चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन : इस भाग में अपेक्षा की जायेगी कि विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. किसी चित्र का वर्णन : चित्र लोगों या स्थानों के हो सकते हैं।
3. किसी निर्धारित विषय पर बोलना, जिससे विद्यार्थी/परीक्षार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सके।
4. कोई कहानी सुनना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी:

परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को कुछ तैयारी के लिए समय दिया जाए।

- विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल में प्रयोग आवश्यक है।
- निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव–जगत के हों जैसे–
  कोई चुटकुला या हास्य प्रसंग सुनाना।
  हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे सिनेमा की कहानी सुनाना।
  जब परीक्षार्थी बोलना आरम्भ कर दे ंतो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

(इस बात का निश्चय करना कि क्या विद्यार्थी में श्रवण और वाचन की निम्नलिखित योग्यताएँ हैं।)

श्रवण (सुनना)	वाचन (बोलना)
विद्यार्थी में –	**विद्यार्थी में –**
1. परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है किन्तु वह सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1. केवल अलग–अलग शब्दों और पदो के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
2. छोटे सम्बद्ध कथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।	2. परिचित संदर्भों को केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
3. परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	3. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है, अभी भी कुछ अशुद्धियां करता है जिससे प्रेषण में रूकावट आती है।
4. दीर्घ कथनों की श्रृखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।	4. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है जिनसे प्रेषण में रूकावट नहीं आती।
5. जटिल कथनों के विचार–बिन्दुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है, वह उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	5. उद्देश्य और श्रोत के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है।